मफिप्रिस्टोन

हाल ही में **अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय** ने गर्भपात विरोधी समूहों की एक याचिका को खारिज कर दिया, जिसका उद्देश्य गर्भपात की गोली **"मफिप्रिस्टोन"** के लिये **खाद्य एवं औषधि प्रशासन (Food and Drug Administration's- FDA)** की मंज़ूरी को रद्द करना था।

- मफिप्रिस्टोन एक दवा है जिसका उपयोग **प्रोजेस्टेरोन हार्मोन को अवरुद्ध करके और गर्भाशय ग्रीवा** को फैलाकर **गर्भावस्था को समाप्त करने के लिये** किया जाता है।
- इसे आमतौर पर संकुचन प्रेरित करने और **10 सप्ताह** के भीतर गर्भावस्था को समाप्त करने के लिये **मिसोप्रोस्टोल** के साथ लिया जाता है। इस गोली की सफलता दर **97.4%** है।
- **भारत का गर्भपात कानून:**
    - **IPC की धारा 312 के तहत महिला की जान बचाने के अलावा गर्भपात कराना अपराध** माना जाता है। अगर महिला खुद गर्भपात कराने की कोशिश करती है तो वह भी इस धारा के तहत आती है।
    - सुरक्षित गर्भपात की अनुमति देने के लिये **मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (MTP) अधिनियम, 1971** पेश किया गया था। संशोधित **अधिनियम (2021)** के अनुसार **20 सप्ताह तक** की गर्भावस्था हेतु एक डॉक्टर की राय की आवश्यकता होती है और**20 से 24 सप्ताह** की गर्भावस्था हेतु दो डॉक्टरों की राय की आवश्यक होती है।
    - 20 सप्ताह के बाद गर्भपात कराने वाली **अविवाहित महिलाओं को विशिष्ट प्रावधानों** के अभाव के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
    - **'गर्भपात' शब्द का प्रयोग केवल तब किया जाता है जब गर्भावस्था के पहले तीन महीनों के भीतर अंडाणु निष्कासित** हो जाता है।
        - दूसरी ओर **'गर्भपात' शब्द का प्रयोग तब किया** जाता है जब भ्रूण को गर्भावस्था के **चौथे से सातवें महीने के बीच,** जीवित रहने से पहले ही बाहर निकाल दिया जाता है।

गर्भपात कानून

गर्भपात गर्भ का जानबूझकर किया गया समापन है, जो आमतौर पर गर्भधारण के पहले 28 सप्ताह के दौरान किया जाता है।

भारत में गर्भपात कानून

भारतीय दंड संहिता (IPC), 1860 (धारा 312)

- **अपराध:** स्वेच्छा से गर्भपात पर
- **अपवाद:** माँ की जान बचाने पर लागू नहीं होता है
- **सज़ा:** कारावास या ज़ुर्माना या दोनों

गर्भ का चिकित्सकीय समापन अधिनियम (MTP), 1971

- **आधार:** शांतिलाल शाह समिति, 1964
- **वैध गर्भपात के लिये आधार:**
  - वैवाहिक बलात्कार
  - महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा करना
  - मातृ मृत्यु दर कम करना
  - शारीरिक या मानसिक अप्रसामान्य शिशु
  - बलात्कार या गर्भनिरोधक विफलता से गर्भधारण

MTP संशोधन अधिनियम, 2021

- वैवाहिक स्थिति की परवाह किये बिना गर्भपात की अनुमति
- **कानूनी गर्भपात के लिये पात्र मानदंड:**
  - यौन उत्पीड़न, बलात्कार, अनाचार से बचे लोग या नाबालिग (Incest or Minor)
  - गर्भावस्था के दौरान वैवाहिक स्थिति में परिवर्तन (विधवा और तलाक)
  - शारीरिक या मानसिक रूप से विकलांग महिलाएँ (दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार)
  - भ्रूण की विकृति या शिशु में अप्रसामान्य जोखिम
  - आपदा/आपातकालीन स्थिति में गर्भवती महिलाएँ

न्यायमूर्ति के.एस. पुट्टास्वामी (सेवानिवृत्त) बनाम भारत संघ मामला, 2017

- उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद 21 के तहत महिलाओं के प्रजनन के चुनाव को व्यक्तिगत स्वतंत्रता के रूप में मान्यता प्रदान की।

Time Since Conception	MTP Act, 1971	MTP (Amendment) Act, 2021
Up to 12 weeks	On the advice of one doctor	On advice of one doctor
12 to 20 weeks	On advice of two doctors	On advice of one doctor
20 to 24 weeks	Not allowed	On advice of two doctors for special categories of pregnant women
More than 24 weeks	Not allowed	On advice of medical board in case of substantial fetal abnormality
Any time during the pregnancy	On advice of one doctor, if immediately necessary to save pregnant woman's life	On advice of one doctor, if immediately necessary to save pregnant woman's life

अन्य देशों में गर्भपात

निम्न देशों में गर्भपात को अपराध घोषित किया गया

- **पूर्ण प्रतिबंध:** अण्डोरा (Andorra), माल्टा और वेटिकन राज्य
- **कुछ अपवादों के साथ प्रतिबंध:** पोलैंड, ब्राज़ील, चिली और अर्जेंटीना

निम्न देशों ने गर्भपात को वैध माना है:

- **फ्राँस स्वैच्छिक गर्भपात को संवैधानिक अधिकार के रूप में सुनिश्चित करने वाला** एकमात्र देश है
- **आयरलैंड:**
  - **स्थिति:** गर्भावस्था के 12 सप्ताह के भीतर
  - **सज़ा:** 14 वर्ष का कारावास
- **न्यूज़ीलैंड:**
  - **स्थिति:**
    - गर्भावस्था के 20 सप्ताह के भीतर (यदि जीवन खतरे में हो)
    - दो डॉक्टरों की स्वीकृति अनिवार्य है

Drishti IAS

और पढ़ें: गर्भपात

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mifepristone